

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय		
सर्वप्रथम प्रमाण पत्र	पत्रा : डी.ए. प्रथम वर्ष / वर्ष: 2021 / मास: 2021-22	
विषय: संस्कृत		
1	पाठ्यक्रम का कोड	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (कोर्स कोर्स/नॉनकोर्स/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट/डिग्री/एच.एड.)	
4	पूर्वप्राप्ति (Prerequisite) (यदि कोई हो)	
5	पाठ्यक्रम अध्यापन की परिणतिधिया (कोर्स लक्ष्य आदर्शक) (CLO)	
6	क्रेडिट मान	
7	कुल अंक	
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ऑटोरिक्त-प्रयोगिक (अति साहाय्य परे में): I-T-P:- 03		
क्रमांक	विषय	अध्ययन की संख्या
I	i. संस्कृत भाषा का परिचय : संस्कृत भाषा का स्वरूप एवं महत्त्व. वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत का परिचय एवं विशिष्टताएं। ii. वेद: स्वरूप, लक्षण, अर्थ, प्रयोगिकता, रचनाकाल। iii. वैदिक साहित्य : महिना, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदाङ्गों का सामान्य परिचय। iv. प्रसिद्ध वेद भाष्यकारों का परिचय : माध्व, मञ्जीश्री, उज्ज्वल, द्वातारिद मरम्भनी।	15

Dr. P. Singh

II	वैदिक सूक्त: व्याख्या, नमीशा एवं व्याकरणिक टिप्पणियां। i. ऋग्वेद- अष्टिसूक्त 1.1। ii. यजुर्वेद- शिवसंस्कृत्य मूक XXXIV। iii. अथर्ववेद- पृथिवी मूक - काण्ड -12, मूक -1 (1-5 मंत्र)।	15
III	शब्दकोष, धातुकोष एवं लकार- i. शब्दकोष - राम, कवि, आमु, मित्र, मता, नदी, चणू, मातृ, फल, वार्ति, आभार, बार्ह, सर्व, तत्, यत्, इत्, अस्त् तथा बुभुक्ष्। ii. धातुकोष - पर, कृ, अस्, कृष्, क्री, चूर तथा मेघ्। iii. लकार परिचय - (लोक लोच लकार) लट्, लोट्, विधिविदित्, लृट्, एवं लृट्।	15
IV	संस्कृतसाहित्यकोश (संज्ञा, सन्धि एवं विभक्ति प्रकरण) मुद्रां की व्याख्या एवं प्रयोग	15
V	(अ) संस्कृत सम्भाषण एवं अनुवाद नौसल i. संस्कृत सम्भाषण: आद्यपरिचय, विभक्ति प्रयोग, सर्वनाम शब्दों का प्रयोग (नत्, एतत्, किम् वत्, नीत्) विद् सो एवं शीत् चत्तौ मे)। अल्प्य प्रयोग (अय, वय-नय, कुय, सर्वय, अयय, एयय, आय, न, अय, अय, ह्य: पश्य: परश, इदानीम्, पुरतः पृष्ठतः, सामने, दक्षिणतः, उपरि, अधः, सम्यक्, अगि च, अतः, एतद्, इति, परि- किम्, कम्। ii. कृत्वत् प्रत्यय- क्त्वा, ल्यप्, तुप्, क्, क्त्वात्- प्रत्ययों का प्रयोग। iii. सद्, ल्हात्- एतत्: श्रतं वयत्। (ब) अनुवाद नौसल संस्कृत सम्भाषण एवं अनुवाद पर आधारित परिचयना कार्य/मौखिकी परीक्षा के आधार पर मूल्याद् बना	30

सार सिद्ध (की बर्की) देग : वेद, संज्ञा, सन्धि, काण्ड, अनुवाद, अल्प्य, सम्भाषण।

भाग क- अनुसंधित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

पाठ्य पुस्तक- वर्धी- म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

अनुसंधित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

- 1 डा, तारिणीश- "द्विसूक्त संग्रह", प्रकाशन केन्द्र, रेलवे श्रावण, सीतापुर रोड, लखनऊ, 126007
- 2 मिथ, डा. चतुर्दत्त- "वेद मंचयनम्", चौखंडा विद्याभवन बाणगामी 1990
- 3 शाली, बालदेव- "बाग्यवहारादर्श", मौनीलाल बनारसी दाग, बाणगामी, 1970
- 4 आचार्य, डा. रामकृष्ण- "द्विसूक्त मनुष्य", विनोद पुस्तक मंदिर आगरा, 1983
- 5 कुशवाहा, महेश मिश्र- "संस्कृतमिद्वान्त कौमुदी", चौखंडा, मुरभारनी बाणगामी, 1995
- 6 वैद्यरी, रामबिलसन- "संस्कृतमिद्वान्त कौमुदी", मौनीलाल बनारसी दाग, बाणगामी, 2013
- 7 द्विवेदी, आचार्य कविलदेव- "पीठ च्चनानुवाद कौमुदी", वि.वि.प्रकाशन बाणगामी, 2004
- 8 त्रिपाठी, ब्रह्मानन्द- "अनुवाद चंद्रिका", वि.वि.प्रकाशन बाणगामी, 2001
- 9 गोविन्दाचार्य- "संस्कृतमिद्वान्त कौमुदी", चौखंडा, मुरभारनी बाणगामी

Dr. P. Singh

3

शास्त्री, डा. हरिदत्त - "मत्स्यक मंत्र", माहिर्य मंत्रालय, मेरठ, 1980

- 11 उपाध्याय, आचार्य बलदेव - "वैदिक साहित्य का इतिहास", आर्या मन्थानम्, दुर्गा कुज, वाराणसी
- 12 विद्यापी, ब्रह्मानन्द - "रूप चंद्रिका", विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 2013
- 13 द्विवेदी, आचार्य कपिलदेव - "संस्कृत साहित्य का ममीशात्मक इतिहास", रामनागवर्ष नाम विजय कुमार, 2 कटरा रोड इलाहाबाद, 2013
- 14 "भाषा प्रवेशः", प्रथम एवं द्वितीय भाग, प्रकाशन - संस्कृत भारती, नई दिल्ली।
- 15 "विभक्तिचलनी", प्रकाशन - संस्कृत भारती, नई दिल्ली।

अनुसंधित विद्वान् फोटोस के बंद निष् - ई-मोड, ईपीसी पाठशाळा संस्कृत, ई-दुष्कलाय संस्कृत, विकीपीडिया, आनंदा, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर, swayam.gov.in

अनुसंधित कर्मात्मक ज्ञानसाधन पाठ्यक्रम - शास्त्री

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, धी मातृ ब्रह्माट्ट शास्त्री संस्कृत केन्द्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरुपति, IGNOU BAG (Sanskrit) Study Material, B.A. Sanskrit Kula Vishwavidyalaya, Kota

भाग ३ - अनुसंधित मूल्यांकन विधियाँ:

अनुसंधित कर्मात्मक मूल्यांकन विधियाँ: निम्नलिखित परीक्षा, महत्त्वपूर्ण मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, माध्यमिक विधि, बहुमिष्ट प्रश्न, बहुवचनिक प्रश्न विधि।  
अधिकतम अंक: 100

सदत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक: 25	विद्यार्थिगतरीय परीक्षा (UE) अंक: 75	
आंतरिक मूल्यांकन:	अंशक देव	15
सदत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	अपानवर्ष प्रवृत्तीकरण (डेवेलप)	10
अवकल:	अनुभाष (भा): शीत शक्ति कृष्ण प्रश्न (संकेत 50 अंक)	अंक संकेत: 25
विद्यार्थिगतरीय परीक्षा:	अनुभाष (भा): बाद कृष्ण प्रश्न (संकेत 200अंक)	03 x 03 = 09
समय: 02.00 घंटे	अनुभाष (भा): दो शीत उत्तरीय प्रश्न (संकेत 500 अंक)	04 x 09 = 36
		02 x 15 = 30
		कुल अंक 75

कोई टिप्पणी/सुझाव:

(Prof. K. B. ...)

Dr. H. B. Dixit

4

**सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप**

भाग ३ - परिचय		
प्रश्नक: प्रश्नपत्र पत्र	कक्षा: शी.र. प्रथम वर्ष वर्ष 2021 वर्ष 2021-22	
विषय: संस्कृत		
1 पाठ्यक्रम का कोड	AI-SANSZT	
2 पाठ्यक्रम का शीर्षक	आर्य काव्य एवं लौकिक काव्य (पत्र पत्र 2)	
3 पाठ्यक्रम का प्रश्नर (कोर कोर/संक्षेप/वैचारिक/व्यक्तिगत/वैचारिक/...)	कोर कोर	
4 उपरिभा (T/संक्षेप/वैचारिक) (सदि कोर हेतु)	प्रश्न शीर्षक का अर्थ/व्यक्त करने के लिए, छात्र ने विषय ..... अध्ययन कक्षा/12वीं/प्रथम पर/विशेषता के विषय में किया है। इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है:- सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)	
5 पाठ्यक्रम अध्ययन की परिचयित (कोर सतिन आउटकम) (CLO)	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. नैतिक मूल्यों के विकास में सहायक।</li> <li>2. रामायण की सार्वकालिक व सार्वजनिक उपादेयता के साथ राष्ट्र निर्माण में सहायक।</li> <li>3. भारतीय संस्कृति के अवलोकन एवं महारूपों के आदर्श से छात्रों को परिचित कराना।</li> <li>4. प्राचीन सामाजिक संरचना एवं उत्कृष्ट समाज का ज्ञान।</li> <li>5. रंग संबंधी कौशल के विकास व लेखन की कला की दृष्टि से उपादेय।</li> <li>6. छात्र में कथा लेखन की क्षमता का विकास।</li> <li>7. उपदेशात्मक काव्य में नैतिक मूल्यों का विकास।</li> </ol>	
6 अंकित भाग	06	
7 कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75 स्तुलनम उत्तीर्ण अंक: 33	
भाग ३- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-व्युत्प्रेक्षित-प्रारंभिक (प्रति ताराफ्ट घंटे में): L-T-P: - 03		
क्रमांक	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	बाल्मीकि रामायण-यासकाण्ड-प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण) पठिताना से व्याख्या तथा बाल्मीकि रामायण के सामान्य परिचय पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।	15
II	महाभारत-शान्ति पर्व अध्याय-192, पठिताना से व्याख्या तथा महाभारत के सामान्य परिचय संबंधी समीक्षात्मक प्रश्न।	15
III	रघुवंशम्-प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण)-पठिताना से व्याख्या तथा रघुवंश महाकाव्य के सामान्य परिचय से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।	15
IV	म्वप्रवासावदत्तम्-प्रथम से तृतीय अंक- पठिताना से व्याख्या तथा सम्पूर्ण नाटक पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।	15

Dr. H. B. Dixit      Prof. K. B. ...

V	द्वितीय-पद- (अ) मित्रलाभ-पठितांग पर आधारित उपदेशात्मक प्रश्न। (ब) नीतिगत-प्रश्न: (1 से 50 प्रश्न) अनुवाद/प्रश्न	30																		
<p>भाषा - अनुसूचित अक्षरों में संसाधन</p> <p>पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन</p> <p>पाठ्य पुस्तक- त्रयी - म.प्र. दिल्ली ग्रंथ अकादमी भोपाल</p>																				
<p>अनुसूचित सहायक पुस्तकें (अनुसूचित पाठ्य संसाधन/सहायक पुस्तकें):</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. दूबे डा. समीक्षा- "वाल्मीकि रामायण" बाल ब्राह्मण, महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा</li> <li>2. "महाभारत-शान्तिपर्व", सम्पादक- नीता प्रेम शोरखपुर, उत्तरप्रदेश</li> <li>3. त्रिपाठी डा. कृष्ण मणि- "रघुवंशम्"- प्रथम सर्ग, चौबेभा. सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2012</li> <li>4. शर्मा रश्मी पंडित शेषराज- "रघुवंशम्"- प्रथम सर्ग, चौबेभा, संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2009</li> <li>5. डा. दारिणीश- "स्वप्नवासवदत्तम्", रामनारायण कैनीमाधव इलाहाबाद 1973</li> <li>6. चतुर्वेदी वामदेव कुण्ड- "महाभारतवदत्तम्", महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा</li> <li>7. नारायण पंडित- "द्वितीयोपदेश मित्रलाभ", धर्म नीराजना प्रकाशन दिल्ली 2004</li> <li>8. उपाध्याय आचार्य वल्लभ- "संस्कृत सुकवि समीक्षा", शारदा प्रकाशन, वाराणसी।</li> <li>9. त्रिपाठी डा. राधाचल्लभ- "संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास", वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी 2001</li> <li>10. उपाध्याय आचार्य वल्लभ- "संस्कृत साहित्य का इतिहास", शारदा निकेतन, वाराणसी 1970</li> <li>11. नुसलगांवकर राजेश्वर शास्त्री- "नीतिशतकम्" चौबेभा संस्कृत भवन, वाराणसी 2014</li> <li>12. मिश्र आचार्य रामचन्द्र- "संस्कृत साहित्य का इतिहास", चौबेभा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>13. डा. दारिणीश- "रघुवंशम् प्रथम सर्ग", प्रकाशन केन्द्र लखनऊ</li> </ol> <p>अनुसूचित विद्यार्थी के लिए वेब लिंक- ई-सीसी, ईपीवी पाठ्यांश संस्कृत, ई-पुस्तकालय संस्कृत, विकीपीडिया, ज्ञानगंगा, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर, swayam.gov.in</p>																				
<p>अनुसूचित सहायक पुस्तकें (अनुसूचित पाठ्य पुस्तकें)- शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत केन्द्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरुपति, IGNOU BAG (Sanskrit) Study Material, B.A. Sanskrit Kota Vishwavidyalaya, Kota</p> <p>भाषा - अनुसूचित मूल्यनिर्धारण विधियाँ:</p> <p>अनुसूचित सहायक मूल्यनिर्धारण विधियाँ: लिखित परीक्षा, सख्त आर्थिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वास्तविक विधि, पहचान प्रश्न, कपुसुचरित प्रश्न निर्माण</p> <p>अधिकतम अंक: 100</p> <p>सख्त आर्थिक मूल्यांकन (CCE) अंक: 25 विधिनिर्धारण परीक्षा (UE) अंक: 75</p> <table border="1"> <tr> <td>आर्थिक मूल्यांकन:</td> <td>सख्त आर्थिक मूल्यांकन (CCE):</td> <td>सख्त आर्थिक मूल्यांकन (CCE):</td> <td>अनुसूचित (अ): तीन अंतिम तृतीय प्रश्न (प्रत्येक 50 अंक)</td> <td>अनुसूचित (ब): चार तृतीय प्रश्न (प्रत्येक 200 अंक)</td> <td>अनुसूचित (अ): दो अंतिम तृतीय प्रश्न (प्रत्येक 500 अंक)</td> </tr> <tr> <td>15</td> <td>10</td> <td>कुल अंक: 25</td> <td>03 x 03 = 09</td> <td>04 x 09 = 36</td> <td>02 x 15 = 30</td> </tr> <tr> <td></td> <td></td> <td></td> <td>कुल अंक: 75</td> <td></td> <td></td> </tr> </table> <p>कोई टिप्पणी/सुझाव:</p>			आर्थिक मूल्यांकन:	सख्त आर्थिक मूल्यांकन (CCE):	सख्त आर्थिक मूल्यांकन (CCE):	अनुसूचित (अ): तीन अंतिम तृतीय प्रश्न (प्रत्येक 50 अंक)	अनुसूचित (ब): चार तृतीय प्रश्न (प्रत्येक 200 अंक)	अनुसूचित (अ): दो अंतिम तृतीय प्रश्न (प्रत्येक 500 अंक)	15	10	कुल अंक: 25	03 x 03 = 09	04 x 09 = 36	02 x 15 = 30				कुल अंक: 75		
आर्थिक मूल्यांकन:	सख्त आर्थिक मूल्यांकन (CCE):	सख्त आर्थिक मूल्यांकन (CCE):	अनुसूचित (अ): तीन अंतिम तृतीय प्रश्न (प्रत्येक 50 अंक)	अनुसूचित (ब): चार तृतीय प्रश्न (प्रत्येक 200 अंक)	अनुसूचित (अ): दो अंतिम तृतीय प्रश्न (प्रत्येक 500 अंक)															
15	10	कुल अंक: 25	03 x 03 = 09	04 x 09 = 36	02 x 15 = 30															
			कुल अंक: 75																	

*Handwritten signatures and dates:*  
 21/11/21  
 H.P. Dixit  
 Prof. K. B. Bhandari  
 Chairman, H.S. Sanskrit  
 A.U. Bhopal

जोष रंज अक्षय सिन्हा

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाषा - परिचय	कक्षा 1 सी.यू. प्रथम वर्ष	वर्ष: 2021	वर्ष: 2021-22															
1	पाठ्यक्रम का कोड	विषय: संस्कृत																
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	AI-SANS2T																
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (उत्प्रेरक, अंतर्निहित/व्यक्तिगत, इलेक्ट्रॉनिक/वेब/...)	आर्य काव्य एवं लौकिक काव्य (प्रश्न पत्र 2)																
4	पूर्वनिष्ठ (Prerequisite) (सदि कोड है)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय ..... अध्ययन करना/12-वीं/प्रमाण परीक्षा/सीमा में किया है। इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है- सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)																
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिणति (अंश-तन्त्रि अउटकम्) (CLO)	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. नैतिक मूल्यों के विकास में सहायक।</li> <li>2. रामायण की सार्वकालिक व सार्वजनिक उपादेयता के साथ राष्ट्र निर्माण में सहायक।</li> <li>3. भारतीय संस्कृति के अवलोक एवं महापुरुषों के आदर्श से छात्रों को परिचित कराना।</li> <li>4. प्राचीन सामाजिक संरचना एवं उत्कृष्ट श्रमण का ज्ञान।</li> <li>5. रंग मंचीय कौशल के विकास व लेखन की कला की दृष्टि से उपादेय।</li> <li>6. छात्र में कथा लेखन की क्षमता का विकास।</li> <li>7. उपदेशात्मक काव्य से नैतिक मूल्यों का विकास।</li> </ol>																
6	क्रेडिट मान	06																
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उतीर्ण अंक: 33															
<p>भाषा - अनुसूचित मूल्यनिर्धारण विधियाँ:</p> <p>अनुसूचित सहायक मूल्यनिर्धारण विधियाँ: लिखित परीक्षा, सख्त आर्थिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वास्तविक विधि, पहचान प्रश्न, कपुसुचरित प्रश्न निर्माण</p> <p>अधिकतम अंक: 100</p> <p>सख्त आर्थिक मूल्यांकन (CCE) अंक: 25 विधिनिर्धारण परीक्षा (UE) अंक: 75</p>																		
<p>व्याख्यान की कुल संख्या-क्यूटीरिडर-शास्त्रीय (एतिहासिक संदर्भ): L-T-P: - 03</p> <table border="1"> <tr> <th>दस्तावेज</th> <th>विषय</th> <th>व्याख्यान की संख्या</th> </tr> <tr> <td>I</td> <td>वाल्मीकि रामायण- बालकाण्ड-प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण) पठितांग से व्याख्या तथा वाल्मीकि रामायण के सामान्य परिचय पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।</td> <td>15</td> </tr> <tr> <td>II</td> <td>महाभारत- शान्ति पर्व अध्याय-192, पठितांग से व्याख्या तथा महाभारत के सामान्य परिचय संबंधी समीक्षात्मक प्रश्न।</td> <td>15</td> </tr> <tr> <td>III</td> <td>रघुवंशम्- प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण)-पठितांग से व्याख्या तथा रघुवंश महाकाव्य के सामान्य परिचय से संबंधित ममानोचितात्मक प्रश्न।</td> <td>15</td> </tr> <tr> <td>IV</td> <td>स्वप्नवासवदत्तम्- प्रथम से तृतीय अंक- पठितांग से व्याख्या तथा सम्पूर्ण नाटक पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।</td> <td>15</td> </tr> </table>				दस्तावेज	विषय	व्याख्यान की संख्या	I	वाल्मीकि रामायण- बालकाण्ड-प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण) पठितांग से व्याख्या तथा वाल्मीकि रामायण के सामान्य परिचय पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।	15	II	महाभारत- शान्ति पर्व अध्याय-192, पठितांग से व्याख्या तथा महाभारत के सामान्य परिचय संबंधी समीक्षात्मक प्रश्न।	15	III	रघुवंशम्- प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण)-पठितांग से व्याख्या तथा रघुवंश महाकाव्य के सामान्य परिचय से संबंधित ममानोचितात्मक प्रश्न।	15	IV	स्वप्नवासवदत्तम्- प्रथम से तृतीय अंक- पठितांग से व्याख्या तथा सम्पूर्ण नाटक पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।	15
दस्तावेज	विषय	व्याख्यान की संख्या																
I	वाल्मीकि रामायण- बालकाण्ड-प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण) पठितांग से व्याख्या तथा वाल्मीकि रामायण के सामान्य परिचय पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।	15																
II	महाभारत- शान्ति पर्व अध्याय-192, पठितांग से व्याख्या तथा महाभारत के सामान्य परिचय संबंधी समीक्षात्मक प्रश्न।	15																
III	रघुवंशम्- प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण)-पठितांग से व्याख्या तथा रघुवंश महाकाव्य के सामान्य परिचय से संबंधित ममानोचितात्मक प्रश्न।	15																
IV	स्वप्नवासवदत्तम्- प्रथम से तृतीय अंक- पठितांग से व्याख्या तथा सम्पूर्ण नाटक पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।	15																

*Handwritten signatures and dates:*  
 21/11/21  
 H.P. Dixit  
 Prof. K. B. Bhandari

7

V	हिंदी-पदेश- (अ) मिनलाम- पठितोत्र पर आधारित उपदेशात्मक प्रश्न । (ब) नीतिशिक्षकम्- (1 से 50 पर्य) अनुवाद/प्रश्न	30
सारसिद्ध (की बही) टिप्पण- आर्षकाव्य, महाकाव्य, रूपक, जीवन मूल्य		
भाषा - अनुसूचित अक्षरानुसंधान		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
पाठ्य पुस्तक- अंग्रेजी - म.प्र. हिन्दी श्रेय अकादमी भोपाल		
अनुसूचित छात्राधिकार पुस्तकें /अन्यअर्थ पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:		
<ol style="list-style-type: none"> <li>1. दत्ते डा. समीक्षा- "वाल्मीकि रामायण" वाल्य काण्ड, महाकवि प्रकाशन, वाराणसी, 2012</li> <li>2. "महाभारत-भाषिपर्यं", सम्पादन- गीता प्रेस गोरखपुर, उत्तरप्रदेश</li> <li>3. विद्यादी डा. कृष्ण मणि- "रघुवंशम्"- प्रथम सर्ग, चौखंबा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2009</li> <li>4. शर्मा रेमी पंडित शेषराम- "रघुवंशम्"- प्रथम सर्ग, चौखंबा, संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2009</li> <li>5. डा. तारिणीश- "व्यसवासवदत्तम्", रामनारायण देवीमाधव इत्साहाय्य 1973</li> <li>6. चतुर्वेदी बासुदेव कृष्ण- "व्यसवासवदत्तम्", महाकवि प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>7. नारायण पंडित- "हिंदी-पदेश मित्रनाम", धर्म नीराजना प्रकाशन दिल्ली 2004</li> <li>8. उपाध्याय आचार्य हरदेव, "संस्कृत मुकुटि समीक्षा", शाखा प्रकाशन, वाराणसी।</li> <li>9. विद्यादी डा. राधावल्लभ- "संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास", वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी 2001</li> <li>10. उपाध्याय आचार्य हरदेव- "संस्कृत साहित्य का इतिहास", शाखा निकेतन, वाराणसी 1970</li> <li>11. मुत्तगांवकर राजेश्वर शास्त्री- "नीतिशिक्षकम्" वैद्यन्या संस्कृत भवन, वाराणसी 2014</li> <li>12. मिश्र आचार्य रामचन्द्र- "संस्कृत साहित्य का इतिहास", चौखंबा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>13. डा. तारिणीश- "रघुवंशम् प्रथम सर्ग", प्रकाशन केन्द्र लखनऊ</li> </ol>		
अनुसूचित विद्यार्थी श्रेणियों के लिए- ई-मोडल, ई-पीडी पाठ्यसाधन संस्कृत, ई-पुस्तकालय संस्कृत, वि.पी.पी.पी.पी, आगरा, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर, swayam.gov.in		
अनुसूचित समकक्ष अंतर्गत पाठ्यक्रम- शास्त्री		
केन्द्रीय संस्कृत विद्याविद्यालय नई दिल्ली, पी. मायल बहादुर शास्त्री संस्कृत केन्द्रीय विद्याविद्यालय नई दिल्ली, केन्द्रीय संस्कृत विद्याविद्यालय तिरुपति, IGNOU BAG (Sanskrit) Study Material, B.A. Sanskrit Kota Vishwavidyalaya, Kota		
भाषा - अनुसूचित प्रश्नोत्तर विधि:		
अनुसूचित सतत प्रश्नोत्तर विधि: लिखित परीक्षा, सतत अन्वयिक न्यूनांकन, मासिकार विधि, पाठ्यव्यापार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, तपुउत्तर प्रश्न निर्माण		
अधिकतम अंक: 100		
सतत आर्यक प्रश्नोत्तर (CCE) अंक: 25 विद्यार्थीवार परीक्षा (UE) अंक: 75		
अंतर्गत प्रश्नोत्तर:	सतत अंक	15
सतत आर्यक प्रश्नोत्तर (CCE):	अन्वयिक/प्रश्नोत्तर (विशेष)	10
		कुल अंक: 25
अंकन:	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 अंक)	03 x 03 = 09
विद्यार्थीवार परीक्षा:	अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 अंक)	04 x 09 = 36
समक- 02.00 घंटे	अनुभाग (अ): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 अंक)	02 x 15 = 30
		कुल अंक 75

कोई विद्यार्थी/छात्र:

*A. J. Singh*  
*Dr. H. S. Singh*

*Dr. K. S. Singh*  
*Chairman, H.S. Sanskrit*  
*B. U. Aligarh*